ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी पुनरावृत्ति

दिनांक—26/07/2020   समास

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

सकारात्मक प्रयास करने और बार-बार प्रयास करने से क्या नहीं होता है, यदि मनुष्य चाहे तो अपने अथक प्रयास के द्वारा उन सभी चीजों को प्राप्त कर सकता है, जिसके लिए उसके मन में सकारात्मक इच्छाएँ पनपती

हैं। इसलिए हमेशा अपने विश्वास को बरकरार रखते हुए अभ्यास को जारी रखना चाहिए।

प्रस्तुत हूँ आपके समक्ष, आपके प्रश्न- अभ्यास के साथ। आज का प्रश्न अभ्यास इस प्रकार है-

एन सी इ आर टी पर आधारित

निम्न प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों से दें:

(क) *समास किसे कहते हैं?*

(I)संधि के बड़े भाई को समास कहते हैं।

(II)दो या दो से अधिक संबंधित शब्दों के मिलकर एक होने की क्रिया को समास कहते हैं।

(III) सम+आस =समास कहते हैं।

(IV) इनमें से किसी को समास नहीं कहते हैं।

(ख) *समस्त पद किसे कहते हैं?*

(I)दो या दो से अधिक संबंधित शब्दों के मेल से बने एक शब्द को कहते हैं।

(II) जो पद सबसे बड़ा है,उसे कहते हैं।

(III)समस्त पद समस्तीपुर के पास पाए जाने वाले एक प्राणी का नाम है।

(ग) *समास में विग्रह करने का क्या अर्थ है?*

(I)शब्दों के बीच में लड़ाई हो जाना।

(II) एक शब्द के अर्थ पूर्ण टुकड़े हो जाना।

(III) समास के ग्रह के खराब हो जाना ।

(घ)*समास के कुल मिलाकर प्रमुख भेद हैं-*

(I)चार (II)छह (III)आठ (IV) सात

(ड़)*अव्ययीभाव समास में समस्त पद –*

(I)अव्यय हो जाता है।

(II)पूर्व पद गौण हो जाता।

(III) प्रथम पर संख्यावाची होता है ।

(च) *तत्पुरुष समास में पूर्व पद प्रधान होता है ।*

(I)सही है।(II गलत है।

(छ)*द्वंद्व समास में विग्रह करने पर-*

(I) योजक का लोप हो जाता है।

(II)पूर्व पद की प्रधानता होती है।

(III)उत्तर पद की प्रधानता होती है।

(ज)*कर्मधारय समास में :*

(I)हमारे कर्म और धर्म की पहचान कराई जाती है।

(Ii)समस्त पद अव्यय होता है ।

(III)उत्तर पद प्रधान होता है।

(IV) इनमें से कोई नहीं।

(झ) *बहुव्रीहि समास में विग्रह करने पर –*

(I)जिसके या वाला शब्द आता है।

(II)पूर्व पद प्रधान होता है।

(III)दोनों पद प्रधान होता है।

(ञ) *जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है उसे-*

(I) कर्मधारय समास कहते हैं।

(II)द्विगु समास कहते हैं।

(III) तत्पुरुष समास कहते हैं।

विशेष सलाह - पाठ्यपुस्तक से जो पाठ निर्देशित किए गए हैं ,परीक्षा की दृष्टि से, उसे पंक्ति- दर -पंक्ति अवश्य पढ़ लें।

"अपने मजबूत इरादों के साथ अपना अभ्यास जारी रखें।"

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"